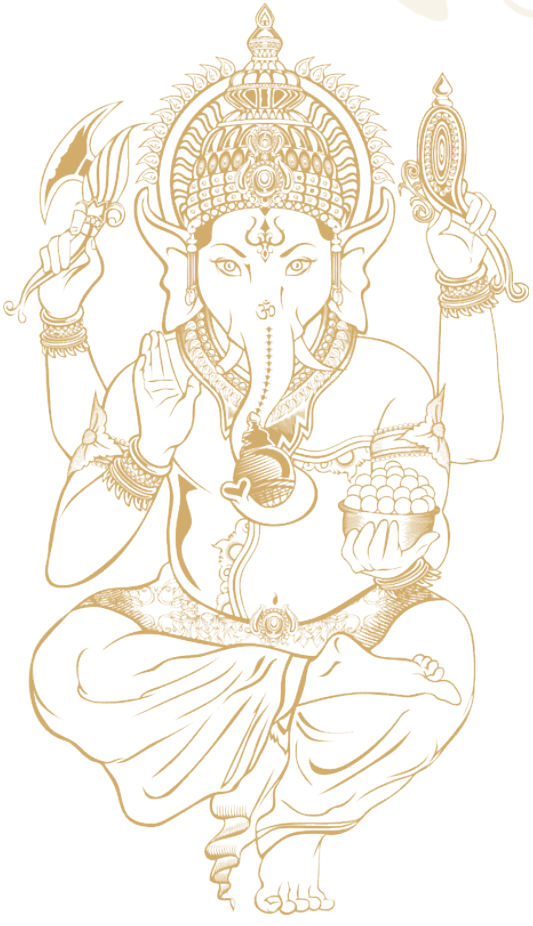

Kirtpal

14 Jun 1998

06:59 AM

Fazilka

Model: web-freekundliweb

Order No: 121924503

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/06/1998**
दिन	रविवार
जन्म समय	**06:59:00 घंटे**
इष्ट	03:39:25 घटी
स्थान	**Fazilka**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:26:00 उत्तर
रेखांश	74:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:33:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:25:16 घंटे
वेलान्तर	-00:00:09 घंटे
साम्पातिक काल	23:53:52 घंटे
सूर्योदय	05:31:14 घंटे
सूर्यास्त	19:36:41 घंटे
दिनमान	14:05:28 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	28:59:01 वृष
लग्न के अंश	17:58:56 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	ऐन्द्र
करण	बालव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खू-खूबचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	17:58:56	315:13:13	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	---
सूर्य			वृष	28:59:01	00:57:18	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मक	15:50:52	13:23:32	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	सम राशि
मंगल		अ	वृष	20:52:09	00:41:40	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	सम राशि
बुध		अ	मिथु	03:38:34	02:10:08	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	स्वराशि
गुरु			मीन	02:24:58	00:06:10	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	स्वराशि
शुक्र			मेष	23:48:45	01:10:37	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	सम राशि
शनि			मेष	06:37:41	00:05:36	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	नीच राशि
राहु	व		सिंह	10:07:22	00:03:15	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	10:07:22	00:03:15	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	18:36:41	00:01:16	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप	व		मक	07:54:43	00:01:10	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	12:24:33	00:01:33	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	---
दशम भाव			मीन	04:29:33	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:00

लग्न-चलित

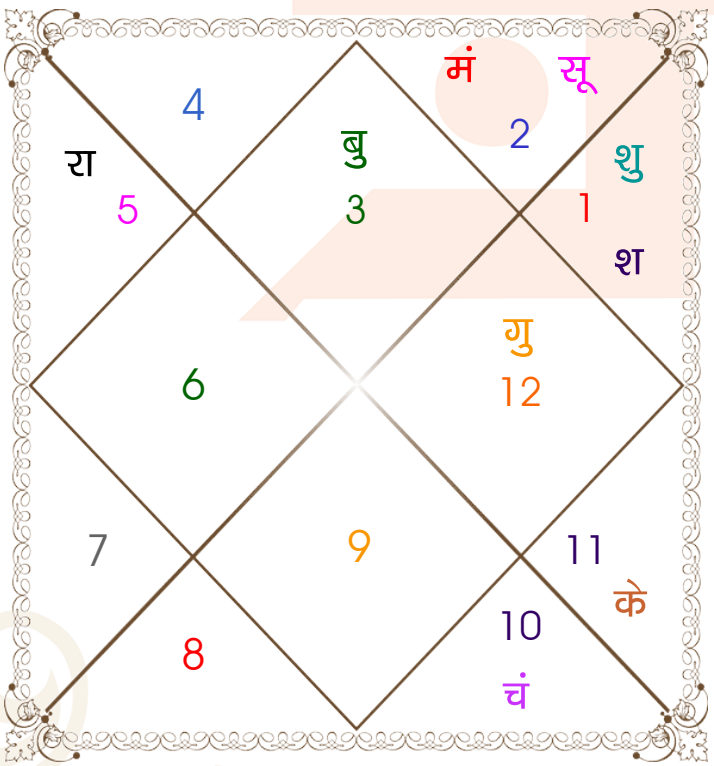

चन्द्र कुंडली

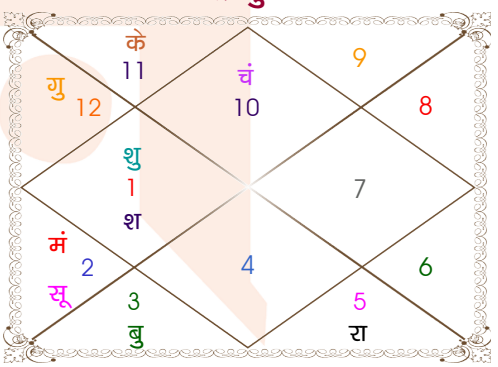

नवमांश कुंडली

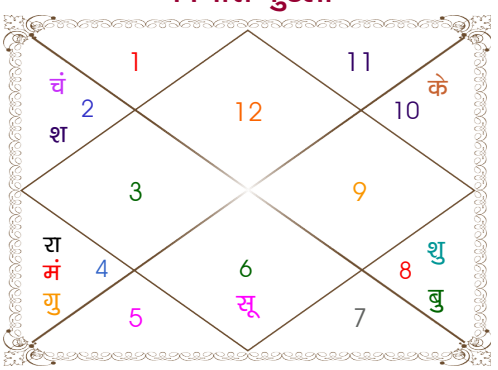

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 5 वर्ष 7 मास 11 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
14/06/1998		24/01/2004		24/01/2011		24/01/2029		24/01/2045	
24/01/2004		24/01/2011		24/01/2029		24/01/2045		24/01/2064	
	00/00/0000	मंगल	21/06/2004	राहु	06/10/2013	गुरु	14/03/2031	शनि	27/01/2048
	00/00/0000	राहु	10/07/2005	गुरु	01/03/2016	शनि	24/09/2033	बुध	07/10/2050
	00/00/0000	गुरु	16/06/2006	शनि	06/01/2019	बुध	31/12/2035	केतु	15/11/2051
	14/06/1998	शनि	26/07/2007	बुध	25/07/2021	केतु	06/12/2036	शुक्र	15/01/2055
शनि	24/11/1999	बुध	22/07/2008	केतु	13/08/2022	शुक्र	07/08/2039	सूर्य	28/12/2055
बुध	25/04/2001	केतु	18/12/2008	शुक्र	12/08/2025	सूर्य	25/05/2040	चंद्र	28/07/2057
केतु	24/11/2001	शुक्र	17/02/2010	सूर्य	07/07/2026	चंद्र	24/09/2041	मंगल	06/09/2058
शुक्र	26/07/2003	सूर्य	25/06/2010	चंद्र	06/01/2028	मंगल	31/08/2042	राहु	13/07/2061
सूर्य	24/01/2004	चंद्र	24/01/2011	मंगल	24/01/2029	राहु	24/01/2045	गुरु	24/01/2064

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
24/01/2064		24/01/2081		24/01/2088		25/01/2108		25/01/2114	
24/01/2081		24/01/2088		25/01/2108		25/01/2114		00/00/0000	
बुध	22/06/2066	केतु	22/06/2081	शुक्र	26/05/2091	सूर्य	14/05/2108	चंद्र	25/11/2114
केतु	19/06/2067	शुक्र	22/08/2082	सूर्य	25/05/2092	चंद्र	13/11/2108	मंगल	26/06/2115
शुक्र	19/04/2070	सूर्य	28/12/2082	चंद्र	24/01/2094	मंगल	20/03/2109	राहु	25/12/2116
सूर्य	24/02/2071	चंद्र	29/07/2083	मंगल	26/03/2095	राहु	12/02/2110	गुरु	26/04/2118
चंद्र	25/07/2072	मंगल	25/12/2083	राहु	26/03/2098	गुरु	01/12/2110	शनि	15/06/2118
मंगल	22/07/2073	राहु	11/01/2085	गुरु	25/11/2100	शनि	13/11/2111		00/00/0000
राहु	09/02/2076	गुरु	18/12/2085	शनि	25/01/2104	बुध	19/09/2112		00/00/0000
गुरु	16/05/2078	शनि	27/01/2087	बुध	25/11/2106	केतु	25/01/2113		00/00/0000
शनि	24/01/2081	बुध	24/01/2088	केतु	25/01/2108	शुक्र	25/01/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 5 वर्ष 7 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।